डा. एस. अय्यप्पन
सचिव एवं महानिदेशक
Dr. S. AYYAPPAN
SECRETARY & DIRECTOR GENERAL

भारत सरकार
कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग एवं
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली 110 114

GOVERNMENT OF **INDIA**
DEPARTMENT OF AGRICULTURAL RESEARCH & EDUCATION
AND
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
MINISTRY OF AGRICULTURE, KRISHI BHAVAN, NEW DELHI 110 114
Tel.: 23382629; 23386711 Fax: 91-11-23384773
E-mail: dg.icar@nic.in

अपील

राजभाषा के प्रति सम्मान एवं सरकारी कार्य में हिन्दी का प्रयोग लगातार बढ़ाते रहने के संकल्प के तौर पर हम हर साल 14 सितम्बर को 'हिन्दी दिवस' के रूप में मनाते आ रहे हैं। हिन्दी एक सरल, समृद्ध और सशक्त भाषा है। इसकी लिपि वैज्ञानिक हैं तथा यह जैसे लिखी है वैसे ही बोली जाती है। सरकारी कामकाज में हिन्दी को आसानी से प्रयोग में लाया जा सकता है।

यह अत्यंत हर्ष की बात है कि विगत वर्षों में हिन्दी ने देश की सभी कम या ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं एवं बोलियों को समान आदर देते हुए उनसे आत्मिक संबंध बनाया है और राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिन्दी को राजभाषा का असली दर्जा प्रदान करने के लिए यह जरूरी है कि हम सभी हिन्दी का प्रयोग करने में आने वाली समस्याओं व हिचकिचाहट के कारणों का पता लगाएं, उन्हें दूर करें और हिन्दी के प्रयोग के लिए उपयुक्त वातावरण बनाएं।

परिषद देश की सर्वोच्च अनुसंधान संस्था है जो कि अपने आठ विषय वस्तु प्रभागों के माध्यम से देश में कृषि अनुसंधान तथा विकास के लिए समर्पित है। अनुसंधान से प्राप्त प्रौद्योगिकियों और नई तकनीकों को विभिन्न माध्यमों से प्रसारित किया जाता है ताकि वास्तविक प्रयोक्ताओं द्वारा उपयोग कर इनसे कृषि उत्पादकता और उत्पादन में वृद्धि लाकर देश को खाद्यान्न उत्पादन, बागवानी, पशुपालन तथा मात्स्यिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हम अनुसंधान प्रौद्योगिकियों और नई तकनीकों का हिन्दी माध्यम से प्रसार प्रचार करके हिन्दी को विश्वभाषा का गौरव प्रदान कराने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। इसकी शुरूआत परिषद में काफी पहले ही हिन्दी में लोकप्रिय पत्रिकाओं जैसे खेती, फल–फूल तथा कृषि चयनिका के प्रकाशन द्वारा की जा चुकी है। हाल ही में, परिषद ने हिन्दी में ''कृषिका'' नामक एक शोध पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ किया है जिसके पहले अंक का विमोचन, परिषद के स्थापना दिवस 16 जुलाई, 2012 को किया गया है। इसके अतिरिक्त परिषद ने सभी संस्थानों से अपनी वार्षिक प्रतिवेदन को भी हिन्दी में प्रकाशित करने का आग्रह किया है।

मैं इस अवसर पर आप सभी से अपील करता हूं कि हम यह संकल्प लें कि हम हिन्दी का अधिक से अधिक सरकारी कामकाज में प्रयोग करेगें और हिन्दी को विश्व में अंतर्राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिलाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगें।

मैं, परिषद व इसके संस्थानों में इस अवसर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यकमों एवं समारोहों की सफलता की कामना करता हूं।

एस. अय्यप्पन

(एस. अय्यप्पन)